



शः लख काय का अः सिधु ल न गे य का अः धधि ज्ञा स यानिः वि च मि मि या कः न ल का स
अः धधि ग्ध मि सा ऊ नः य ध स स न रु ल साः ल कि उ दि क ध यः लि थ ल कि आ दि नः न क लि
स रु आ कि न दा स या क नः ज न ग स म्प र्ति ला यि आ ॥ रु न् थ श य न सः न्वा न सा र्ति म म वा श
थ ठि थ य स व का डि वा स या य ध कः ध म्पि आः ल कि अ न्वा दा स ॥ **धु नि ध म्पि ल कि सं वा द**
दू नि य स धा म्पि ॥ ६ ॥ ध न लिः ल कि स नः ध म्पि स क द दा स ॥ ॥ **धु नि ध म्पि ल कि सं वा द**
ध म्पि काः म नी नौ रु लाः या य द्वा वि द्वा का नाः व द म्पि रु म दा म ला ॥ ल कि ध म्पि स कि न रु ना द न्

यि द्वा या काः रु ल था न स नः या य द्वा न क थ क द वि का य मा ल ध कः ल कि नः ध म्पि स क द दा स
॥ **ध म्पि स न आ रु क टा** ॥ ल कि स रु रु न कि न क न्वा य कि न मि सा ऊ न रु या अः थ श य ल
रु का थ न स या या य नः द्वा स कि क द्वा ल रु ल रु नः वि क र स या या य नः यालि नि रु नः य न स य
व न न म रु स रु या या य न रु मि लि रु ल ॥ य न स य अः उ कि उ उ ल नः न्वा दा या या य नः अ दि रु ला ॥ ध म
या का रु नः सा का रु रु न या या य नः ध म्पि स क द दा स या अ ऊ म्पि का लं ॥ थ श य न स या व रु क थ
व या य ल रु न का लः म्पि व या य ल रु शः य रु ल रु नः म्पि व या य ल रु स या कः वि रु न या नः ध धि रु

शुक्रमयाद्यायायायनः। आत्मा आनः। हा ममदयकः। ना ममदयसिन्धुः। हलमरुयाताः। माहा २३
 लककमिमाहलः। विष्णु २ नाना लककायकः। थ आयूनस आः। जूलंदमरुयकः। थ आयूलसयाहा
 हल्लालमदयकः। संसालहल॥ ध्यानः। थ आयूनसयाकाः। शुक्रमयायमनताः। हयाथः। धर्म
 यायमालः। युर्वजर्मसयाद्यायायनः। थुर्गलिजर्मसः। कस्यहलः। सहुनालकि॥ हनमथमसि
 याधका॥ हुनिधर्मलकि॥ संसालहलियज॥ ॥ ॥ हनोधर्मसनः। लकि॥ ककायः। शलः
 कि॥ सः। जूनिजाहल॥ हयाताः। धर्मयायः। कर्मयायः। वतुविवाहालयायः। मनथालसाः। मृत्वा १

[illegible]

दूषितं सद् लिख या या यन कर्त्तुं न ह्यवस्तु सु या या यन महाद्विष्ट या उ न यम
सस्य महाद्विष्टा रुतं कर्त्तुं अकृदा या या या यन शय उ कृदा रुतं मित्र रुतं ॥ ग्रा व या
दत्तं स्वयमस्तु रुतिका या या यन शान्तं नमस्तु न क निसं नान रुतं ॥ गुरु निश्चया दा
या या यन गुरु निश्चया रुतं नमस्तु ॥ यद्वत्तु मस्तु या दा या यन धर्म निश्चय सं कदा उ न ल ॥ ७० ॥
विधर्म ना व स मस्तु दत्तं मस्तु मस्तु ॥ ७१ ॥ गुरु निश्चय ना रुतं रुतं मस्तु नामाये मस्तु ना नि कं
दुष्टा मस्तु सय न्नी कल ॥ ० ॥ मस्तु सय न्नी कल सय न्नी कल सय न्नी कल सय न्नी कल सय न्नी कल

[illegible]

इदं कथं वेनाये साद्वयमनविगते ॥ ७ ॥ यत्नमनाथसंवेदे रुग्णवर्गं न थागन कर्मा
 जविप्रगारुत्वा दुष्टमस्तुमीना ॥ ८ ॥ मदिनायतमाथय ज्वरकं यायमविहा मा
 याजात्राहिमेवीर्धे यथावारीरुवाम्यहं ॥ ९ ॥ अहानयंकमग्नानां कृष्णोद्गुनविगता हि
 मायसर्वसत्त्वानां मनुरुवरया फया ॥ १० ॥ यकाभयदुसंवद्धा रुग्णासात्ता रुग्णदुःख महा
 समयनत्वेन दुष्टयागमयदियवा ॥ ११ ॥ रुग्णाहानकायस्य महाधुविस्यगीयन मेरुध
 हानसत्त्वस्य हानमूलस्य यदुवा ॥ १२ ॥ गीष्वाथासदचाथा महाधमसमासिवा ज्ञा

दिसध्या न कल्पानि नामसंगमिन्मरुमानसं ॥ १३ ॥ यामिनेरुविगावद्धे सायिद्य कृष्णनाग
 न यत्नल्यनाथसंवद्धा या सायवयनयना ॥ १४ ॥ मायाजार्धमहागने यावास्मिन्सत्यमि
 यम महावज्रधं वद्धे नमयमनुधविहि ॥ १५ ॥ अहं यनाधवायिद्यामा निर्यानेय
 दृष्टासये यथासंगीवामिहं नार्थ सर्वसंवद्धमुद्धकाधुक् ॥ १६ ॥ यकासयिकसत्त्वानां य
 थासयिविहावन अस्यवर्गसनासाय अस्यवाहानदानेय ॥ १७ ॥ यवमध्वकृष्णुज्जो
 वज्रयामिहथागन कृष्णजलियुक्ता रुक्ता युक्तकायसि नायन ॥ १८ ॥ अधवनाग

॥
 ॥
 ॥
 ॥
 ॥

[illegible]

सर्वकारुणिकसुदन महाकाशमहासारवा महाभादामहावर्णि ॥ ७ ॥ महाचूया
महाकाया महावल्लु महाचिद्य महानामामहादाया महाविवलमल्लुता ॥ ८ ॥
महाप्रह्लादयूवधवा महाकुण्डलाग्रविधा महायतामहाकिहि महाहोनिम
हादनि ॥ ९ ॥ महामायाधवाविहा महासयार्थसाधक महामायावर्णिवनाम
हामायादयाविक ॥ १० ॥ महादानयानि ॥ ११ ॥ महाशीवधवाइय लीनमहाकु
निवधवाविधा महाविजयवाकम ॥ १२ ॥ महाध्यानसमाधिभा महाप्रह्लादविलस

क० महावनामहावायु प्रलिविह्वानतागनः॥ १०॥ महामर्जिमथामथा महाकाव
लिकाइश्वरिवमहाप्रह्वः महार्वाता महावायमहाकृमिः॥ ११॥ महाप्रविशवायम
महावल्गुमहाजवमहाद्विकामहासायः महावचयनाकुने॥ १२॥ महारु
वादिस्तरुका महावज्रवनाद्यनः महाकृवामहावीडा महारुयलंकव॥ १३॥
महाविद्यालुमानाथः महामल्लुमाशुत्रः॥ १४॥ महायानलयारुहा महायानलय
हम॥ १५॥ वज्रकाकुमहामल्लुमाशुत्रः॥ १६॥ महारवनावनावदा म

[illegible]

॥ नेनात्मासिंदुनेनात्मा कृदिथेसुगालिकच ॥ १५ ॥ सवेरुगममाइद्यगनिरुथ
गनमनाउव ॥ १६ ॥ जिनाजिमेवविजयि युक्वहुमिहावल ॥ १७ ॥ गमसुखागमावाय
गलमध्वमेगलवनिवसि मदानुलावात्योवया इनवया मदानय ॥ १८ ॥ वागीश्व
वान्कमिवाग्नि वाचस्यनिजननेगी सत्यवाक्कलवादीच चहुतत्यायदगक ॥ १९ ॥
॥ अवेवहिकाहनागामी रवकुयत्यकनेयक नानानियो लालियोना मदानुनेक
कानव ॥ २० ॥ अरुहोनामवहिरुहिरुवागमजिनदिय ॥ २१ ॥ कुमयाफहेय

याय ॥ २२ ॥ नीरुनाहनाविल ॥ २३ ॥ विद्यावचनसंम्यन्नं सुगनालाकवित्यच ॥ निमेम
निबलकाचसत्यदायनयमीन ॥ २४ ॥ संसाचयाचकाठिम कुत्यहनयमिह
केवत्यहनानिरुगयहामनाविदाचन ॥ २५ ॥ सधमाधमेवानात्मा लाकावाककन
यव ॥ २६ ॥ मग्धवोधमेवाजा ॥ २७ ॥ यामा ॥ २८ ॥ यदसक ॥ २९ ॥ सिद्धाथीसिद्धसकत्यत
वसकस्यवजिननिविकत्यज्याधक ॥ ३० ॥ मेधाकुयवावय ॥ ३१ ॥ पुन्यवायूनस
लावाहानेहनाकवमहानहानवा सदसहाना संसाचदायसंहन ॥ ३२ ॥ गम

उवग्गयंकव विद्युन्वज्जुगवजा मायावज्जाम्हादयैन ४॥ २॥ क्वित्यग्गवज्ज
थानि वज्जमदान्नयम अचलकज्जनाद्य उगयमेयगादधृक् ४॥ ३॥ लाहाकाया
महाधाया हीहीकावाहयानक अज्जुहा ॥ ४॥ महाहाहा वज्जहाहा महानव ॥
॥ ५॥ वज्जसत्त्वा महासत्त्वा वज्जवाज्जामहासुरव वज्जय ॥ ६॥ महामादा वज्जहंका नहं कर्ण
॥ ७॥ वज्जवानायुधधवा वज्जवज्जानिकुगन ॥ ८॥ विग्गवज्जधवावज्जि युक्कजिजन
जह ४॥ ९॥ वज्जहालाकवावाजा वज्जहा वाणिवाह ॥ १०॥ वज्जव ॥ ११॥ महावत्त सग

जावज्जवायन ॥ १२॥ वज्जवामाकवगन वज्जवामेकविशह वज्जकाटिनखाचहा व
ज्जवन्ननद्धनि ४॥ १३॥ वज्जमोवाधन ४॥ १४॥ मान वज्जारुन्नरु विनि लाहाह लाहा
निधाया वज्जधाव ४॥ १५॥ उज्जव ॥ १६॥ मेरुद्धारवामहानाद मेरुलाहं कववामहान ॥
ज्जाकासधुययैर्न धारवाधारवगमव ४॥ १७॥ आदग्गहानग्गथायादानसाद्वदग्ग
॥ १८॥ गयगाहगनेवात्मा रुक्काटिवनकन ४॥ १९॥ न्यगावादिदूरवहा गमिवादान
मज्जन ४॥ २०॥ वेमेसरवामहासदा धमेगग्गीमहावन ॥ २१॥ अयुगिक्किनेनिव्विह

ना दशादिभ्यो देदृति ४॥ २ ॥ अत्र यात्रयवानलम् ना लात्रया मना मय सवेत्रया व
 सा सश्री च सा खयति विम्वृक् ४॥ ३ ॥ अत्र वृथा मत्त सारव ने धातुक मत्त गव स
 म्दिनाय मार्गम् धर्मक तु मत्त दव ४॥ ४ ॥ निला के क क मा वाङ् मू विवा वृद्ध यज
 यनि दानि व स कु ल व व कान नु ला क स दव ४॥ ५ ॥ ला क हान गु ला या यो ला का वा य
 वि सा दव नाथे मा ना नि वा का य सवन ना य न दव ४॥ ६ ॥ गग ला गग स गग स
 ह हान सा गव अविद्या लु का स सं ल सा न व य ज न दा व नं ४॥ ७ ॥ समि ना स्य रव

ग सं सा ना लु व या व ग हाना लि ध क म द्रु ठ सं म्य क वृद्ध ल व न ४ ॥ ८ ॥ ति द ४ र व
 द ४ र व स म न म्ना इ न न सि म्ना कि ग स द्वा व न न नि म्ना क आ का स स म ना ग न ४॥
 २ ॥ स द्वा क म्ना म वा नि न य आ न य ग नि ग न स द्वा स द्वा म द्वा ना ल म गु ल स य व म्ना व न
 ४॥ ३ ॥ स द्वा य वि वि नि म्ना य म व ल नि गु लि न म द्वा वि ना म लि व न स द्वा व न
 मा वि ल वा ४॥ ४ ॥ म द्वा क ल य न म्ना ना म द्वा ल ड य ना न म स द्वा स द्वा थ क द्वा नि वि
 स द्वा व ल न ४॥ ५ ॥ गु रा न्नु र क का व ल स म य वि ल स द्वा डि य द्वा व ल वि

[illegible][illegible]

धून का व दंशरति पूजा सा च क र्थेन न्नयि सम च न हि च कोः वि
 को च कोः धनय का विन म द न धि च कोः वि स ऊन ॥ व द स वि च को
 को य ॥ धन वि स म धि धून का वः क य स स म न था यि नि पू जाः
 दु शी पू जा वि धि धां धून का वः धन वि स य नि व शी हा ह या व
 ही स न य थ को को व स न धन गु न म लु व द न को ॥ वि ॥ ऊन ॥ धन
 वि स या तः प च म वा वि य सि धि दि वा स नः श्री लालि न न्नो ॥ ध ॥

श्री गणेशाय नमः

622

स्ववजः आदिनं विद्यवि कौहं नः ॥ लोभनाः तदनुस्वदिती डमयूरैः
नानि तानि न व्यर्त्तिनः तथा गता विद्या दविपूक ॥ सिधिरिष्य काथ ॥ वृद्धानं
मरिखका रूज गगनायः वडिनाः कर्वाः जथा दंरुः तर्था दतः ज्य मस्यदि ॥
रुनाथः वृद्धयूत यनिगुः संसा न उवाच या ययातः गुना कवनं गथा ध्वनूरि
स्वका विनः नूथं डिमिर्मा नका या ययातः धनूरि स्वका विमं वि कौहं नः ॥
रूचि चर्यं तयः लावनाः ॥ तः तथा गतः यज्ञः समायनेः मला नाग्यनः

द्वारूर्यः देवावनः श्रीश्रवजमा गीनयः तद्वेदः दविपूक मूखाः नयवः स
निष्ठाः मठि गिग्नताः नत नंदं वडि जातः दिरुजः संयज्ञकाय सगवंः व
जं लयज्ञन सत्वारिनः मरिखि चः यूनरु मूखादि मूर्तिरिः यर्मा निमूखाः
यूर्यहि तः वाचनां दिविद्या सदितः छतः ध्वजः यताकाः वसं कादिनः
गीत्यः यूर्यः कूकः मादि वृत्तिरिः कवकि गनः यावज्जितः वाविचिः
नामृतः यूर्त्ति कवाः कवल रू मिर्यं यर्मा निः गंत हि रिवं च मानिः जा

२४३:

गिनिगनः शीयमानः मङ्गलं गीतः ॥ थन कन मः नूरि के वियः भाद सदिच
कनयः ॥ अथ ॥ उ मं गन न सत्त दिदिहि न स्यः सर्वो मकस्यः वन सर्व क
लाधिय स्यनिः एख उ न कस्यः मरु सुख स्यः न मं गन न सत्त न य न मारि स्य क ॥ २ ॥
थ न यानु नूरि के वियः ॥ भाद सदिच कठयः एव नः ॥ हं उ हं ॥
का नाधिष्ठिगः वज्रः जा का स्यः दिदि न मं गन न सत्त किं नूतः धृष्ट स्यः
कः ॥ उ मरु सुख व उ सत्त दिदि स्य कनः त्वी मरि वि स्य मिः सत्त न थ ग ना धि

१४

तिख नट्ट उरुव ॥ थन नूरि के वियः कया न काल सविय ॥ अथ ॥ थनः उ न ग
न रुचनः सख व खन रुचय ॥ नूरि के वियः मरु व उ न म कृतं दय मिः
सर्व वृक्षानांः तिष्ठ नूरि के वियः ॥ रुमि स्यः थः नूरि के वियः कया य लः
वः गथा अ व साः व उ व थिं दः सा हं म थः या ना व नः न म र्का व या
दा व न या नुः स्य ना रु द न उ य ति इ स्य चा द नूः डि व रु य नि स वि
यः ॥ उ नूरि के वियः कया न काल सविय ॥ थन नूरि के वियः कया य लः

ति उँ दकारिखकविधिः॥थन अत्राखनाः॥वाधित उँ वृद्धांनाः जथ
दंत माहा मरु म मायिताननाथयः खव उँ ददादिमः॥रुनाथरु गुत्रव
धित उँ वृद्धयातः गथवित्र अथां जियनि वक्रायाय यातकयागः धमकू
तौ अत्रिखकविम्विक्काहं न॥थन लावनाः॥मिखात्रा वलं संरुतल्लयि
नः स्नानसखयिंरुतं नरु सुतथा गठः कूर्म वरिषि कुं मानत्रयव उँ दि
हि वृयनियमानं मं नै वं गीत लावयत् ॥थन मयूत नयूयक ॥०

०० दंत सर्व वृद्धांनाः गेत्तातु कंन मयूतं शर्मा कयू उँ नाथय मयू
ठयं कूकू वारुवः॥ रुमिषयनिध मयूठयाय लोडः गथा वा
दथा वमाः ममसं तथा गगनं गिरुवनदवनं नमास्का वयादा
डातयागुः रुमिषाः रुमिषययूजाया वकयागः धनार्थनं धमकूठ
काहं न॥धकर्मयारुवनं यं कूकू वमं उँ मं जात रुनाः॥थन मूखन
दि वक ॥ उँ व उँ अतु सावित्रि विषिं कूहं ॥ उँ व जिनि अरिषिं कूहं ॥
वज

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वर्जनः पूर्वानां जथादंतः सदां मरुः समाधितानः न्नाथा यः खः वर्जादडा
हिमः ॥ हनाथरुगुनः वाधिवर्जनः पूर्वयातगथावि नः नृथंजियः
निबद्धायाययातः धुवर्जा नृरिष्यकाविम्यविक्राहं नः ॥ थनराजना
सखांजीयर्नीयनिमिता रामका नः ॥ नमस्तर्करिनः वर्जंयामिता रामका
विचिंतः ॥ थनः शिष्यायातवर्जवियः फथूः कायायः नृगवमथियकाः ॥ नृ
यारिषिं कलमसिद्धे वर्जाहिरवायः ॥ हंडंमतववर्ध्वंः गृहवर्जगृमिद्ध

यः॥ अत्र विष्णु कविरयः वज्रयात्र विष्णु क॥ धृ स मं सः वृद्ध शय कया नः
त्र मा वज्र का जः वज्रात्र विष्णु कः मून गत्व मरुः॥ मं ख न न दायः उं स वृ सः
ही नृ कय क्षीः आका न कू न मं रु वाः मरु दय दं या फः॥ स म सं सि य रु ना मि
व क्षी धू काः आका न कू न मंः उ य नि रु या डा वा दः मरु अ कू न य द ना ना॥
ॐ ति वज्रात्र विष्णु कः॥ अत्र ख ना॥ वा धि व ज न वृ द्धा नां ज थ म दं त मरु
मरुः स मा यि नाः न भि थ य व ज द वा॥ हि मः॥ रु ना थ रु रु नूः वा धि

वज्र नः वृद्ध या न ग था वि नः अर्थ डि मि तः धृ चं था अत्र विष्णु क विष्णु वि ज्ञा हं
अः॥ ला ज ना॥ सि य खं का न जः ख ज्ञा य नं अ मा द्य सि धि स्त न म ली रि नः
चं था चा अ मा द्य सि धि वि ला व य त्॥ अत्र विष्णु कः ला दि॥ उं वज्रा धि व ति र्वा
मरु रि वि क्षी मि ति थ व ज स म य खं हंः वज्र यं थ अत्रः गुरु ना मि म या रु ग व
न म नि स नि दि ना रु वः॥ चं थ वि यः मं ख न व न दायः॥ उं वज्र यं था रि य
क मू न ठ लं मरु॥ अत्र य न यः व भि वः मं सौ व दि त वृ वः न वृ धि न वः

वृद्धं न सत्वं तदितक ॥ अथ श्रीमदुपनिषद् श्रवः ॥ श्रीमाद्यंथः सितमद्रः व
 धिमखूः वृद्धं सलवमखूः सत्वं मखूः म्याक मखूः निवृत्त न सत्वात्तं कवृत्ताहि
 न ह्यनाः नाधियः निवृत्त नायायमजिवः ॥ श्रीकावकायमजिवः ॥ ह्यननं उ
 यति श्रवः ॥ श्रीमाद्यंथः अचकः ॥ श्रीकावचंथः ॥ जसा सर्ववृद्धानां
 द्यंथाद्याखानः ॥ गमिंतार्वयायि महिद्यः अर्थं वाधिवः ॥ गमिजिनमता ॥ अथ
 द्यंथः अद्यः सत्यं न सक्तः ॥ तथागतः ॥ मनर्हं स मानः सत्यि काकः ॥ थथि

२ एतद्गुरुं पञ्चतादिर्गुरुं वृद्धं न सत्वं ॥ अथ श्रीमदुपनिषद् श्रवः ॥ श्रीमाद्यंथः सितमद्रः व
 धिमखूः वृद्धं सलवमखूः सत्वं मखूः म्याक मखूः निवृत्त न सत्वात्तं कवृत्ताहि
 न ह्यनाः नाधियः निवृत्त नायायमजिवः ॥ श्रीकावकायमजिवः ॥ ह्यननं उ
 यति श्रवः ॥ श्रीमाद्यंथः अचकः ॥ श्रीकावचंथः ॥ जसा सर्ववृद्धानां
 द्यंथाद्याखानः ॥ गमिंतार्वयायि महिद्यः अर्थं वाधिवः ॥ गमिजिनमता ॥ अथ
 द्यंथः अद्यः सत्यं न सक्तः ॥ तथागतः ॥ मनर्हं स मानः सत्यि काकः ॥ थथि
 अथ श्रीनिग्न नयाचकः ॥ मृदाहि समययाकाः ॥ मनमूः किं इत्यंताः ॥ स
 र्वं मूर्किं इत्ययनं ॥ तनमूर्दीयकायिनाः ॥ श्रीमामूर्दी सक्तयथकज्ञातः
 आवमननं च लयिषां ॥ काकुकाठयानः ॥ सक्तयामूर्किं इत्यिवः ॥ थति नः
 श्रीमामूर्दी कर्त्तव्यायाव ॥ य ह्ययायमयमरुसूया मसर्वं सलवः ॥ श्री
 जी गानाथनां यमूर्दी समयः ॥ श्रीमावर्ज्यंथः सितमद्रि मयः ॥ मरुसूखं

श्रीमदुपनिषद् श्रवः ॥ श्रीमाद्यंथः सितमद्रः व
 धिमखूः वृद्धं सलवमखूः सत्वं मखूः म्याक मखूः निवृत्त न सत्वात्तं कवृत्ताहि
 न ह्यनाः नाधियः निवृत्त नायायमजिवः ॥ श्रीकावकायमजिवः ॥ ह्यननं उ
 यति श्रवः ॥ श्रीमाद्यंथः अचकः ॥ श्रीकावचंथः ॥ जसा सर्ववृद्धानां
 द्यंथाद्याखानः ॥ गमिंतार्वयायि महिद्यः अर्थं वाधिवः ॥ गमिजिनमता ॥ अथ
 द्यंथः अद्यः सत्यं न सक्तः ॥ तथागतः ॥ मनर्हं स मानः सत्यि काकः ॥ थथि

२ मं कु मयं पलं कानं: दहि म गि धि य कं: मं कु या यु म् कु यु लि द्या यो न
 स नि ड स्व ल व: त्र मा ष्य ल वी रे न क: या गु वा जा ण: त्र मा म् कु य व ल:
 यि श: न्ति यं थ रि व क: थ य र्चं म् स क्क य व दि व क भू थ न जा य व:
 व क्का य: मं कु क न्म: गु नू न् थ य: द ता सि म या र ण व न: त्र मिं स नि दि
 ता र व: शि वं न थ य क: गु दि ता सि म या र ण व न म रि स नि दि ता र
 व: जा य या व क: थू ना का डा द श य क व क्का य: थ न थ का पि न:
 (सि रु ने लू य ॥)

मं कु व धि व क: कुं त न क: त्र सि वा द ठ य: दं क्क ना श्चा य क: मं र्ण: म
 श नि श्चा य: वि त यू जा: द क्क ना यू जा: थ न: यं रं म् ना व: व दि व क: म
 या व क: न व क: न्ति यं थ रि व क: वि वि धि: न्ति यं थ रि व क: वि वि धि: न्ति यं थ रि व क:
 रं न मा: दं क्क नि व रि म् थ न मा जा य: मं क म् नि य: त्र मिं यं व र्क
 व वि धि मा द्दु: दं गी ति य रि म् थ न: मं कु व वा य: वा क स व व: वि न्दु:
 र्म र्म व क्क म् र्म: म: द्दु का य व: द्दु ना: मं कु व द्दु य क व स थ म् नि न थ य
 न य: मं द न मा: ख ज स: वा क व स स न: द्दु ज न: ता द्दु या क्क म्: मं र्म व रि थ य न:

द व अ व मः यति मा ठ ह्यः यू जा या य रु नाः वा क व म्याः द व नः सि ज न याः
जाति या मा ठ यः रूप नः अ रु य नाः यं व न ल त या जः द्य ज न नू र्मि त यः न म्क क
स्थान मा नान का खा य कः धनः सुं चा यः यू जा ह न ज य न यः ग नू र्म मं द न द
न द नः वि श्व ज नः यं र्ग र्ग वा यः ध म का यः नू र्मि सि त्रि क्का या नं यि यः ध न
सि ध न त य कः श मं द न थि न कः कृत न कः स ता कृत नः वि श्व ज नः ल ख व मिः
दा या वः पि स्ता न ख स वा च क द्वा यः ध न ति स मा धिः कृ मः स म्भ नः यू जा या
च कः द व यू जा य वि मा न थ्यः ध नः मं द न द त सा मं द न याः ल जी नाः मं द

न ल जी नाः ठ त मं द न म थ्यः सा क म्भ नि यः यू र्ग व र्ग या निः द कि न्यः व जी उ
धि खः य छि मः स ख च क वं रु निः इ कृ नः वि जा उ धि खः नू र्मि त्रि क्का या नं यि यः
न न तः वि श्व स कः वा यू याः वि का वि निः सान्नाः सि ता ठ य तः च नू द्वा नः व
जा कृ दिः का न वूः यू या दि द व ता य वि दि ताः न त नः स म यः स ल स न स लः
न वा रु नः रु त्र कः मू र्द मं त नः य ति य रु न यू जाः रु ति ॥ ध न यू र्ग ग्रा म्हा
उं म्भ क म्भ नि य र्ग स्या रुः उं व र्ग या न य र्ग स्या रुः उं व र्ग उ धि ख र्ग स्या रुः
उं स ख च क व त नि य र्ग स्या रुः उं वि ज उ धि ख र्ग स्या रुः उं त जी ना सि न

हँ साहाः उँ व ज वि धं सी न हँ साहाः उँ व ज वि क मि न हँ साहाः उँ सि तां ट य त हँ
 रुः उँ व ज वा सा हँः उँ व ज मा नि गीः उँ व ज ण त हिंः उँ व ज नि रु त्रूः उँ म ती
 रु न ना य सा हाः उँ त्र मा ची द सि न्य हँः उँ स र्व वा य वि श्व थ नि हँः उँ स र्व सा काः
 मा न नि द्या ट म त हँः उँ गीं थं रु क्षि न हँः उँ सून गं म हँः उँ ग ग न ग ज हँः उँ ह
 न का रु हँः उँ त्र मं क य रु हँः उँ वं द च ड य रु हँः उँ रु ड या न हँः उँ ज्ञा ना प रु हँः
 उँ व ज गं रु हँः उँ त्र क य म ति हँः उँ य ति लान कू त हँः उँ स र्व त रु द हँः उँ व ज यू ष
 हँः उँ व ज वृ य तीः उँ व जी व ना कू त हँः उँ व ज गं वृ त्रूः उँ व जी कू स ज हँः

उँ व ज पा स हँः उँ व ज रु ठ वः उँ व जी व स रुं गा थ नः वं कू य रु न य रु जाः
 ला साः थंः रुं ठिः गा थ नः त्रु क्षि सः ता न न या यः गा रु य काः पु न काः ना यः
 त्रु कू त्र ज्ञा रु न सां न तं स त्रु क्षि ता न नं ना मं रु गा दि वं ण ठ त्रु मू य स्यः स र्व
 वा यः रु न र व ज हँ रुं रुंः उँ व ज उँ स र्व वा य हँ वि श्व थ न हँ रुं रुंः उँ स र्व का मा
 व न न रु क्षिं रु न हँ रुं रुं सा हाः उँ रुं वि श्व थ नि नां स या व ल ना निः
 हँ रुं रुं ॥ उँ हँ वि श्व थ नि या व न ना नि हँ रुं रुं ॥ उँ ज्ञा न र्व व कः
 रु न र त्रु व न ना नि हँ रुं रुं ॥ उँ रुंः स न र व स न र त्रु व न ना नि हँ रुं रुं ॥ उँ हँ

उँ व ज पा स हँः

जोः साय ध्या ध्या दि यः ने व द्या दि। उ ख र्य नः ॥ नु तिः ॥ यूलं नो ष्म कः
मनि रगवान्। स्मोर्द च य वि रा व य नः ॥ ध नः रु अ या थः यूलं नो ष्म कः
॥ यः लाः र्यः वा वः नु तिः ध न जा य म नः थः ॥ उ ष्म क मनि य र्द रु द्वा ॥
जु र्ध वाः अ का न मू षः थ न मं द थि न कः कुं त न कः ॥ उ न म ष्म क सिं हा य थ
मं च य य व र्म तः ते अ नु यं ज ग म र्वः तेष्व थ र्य म र्व दू र्जि तिं ॥ उ न मा र्म य
जो र्धि ख र्ध मं अ नु स र ग व क म र्व म र्व रि ता थ यः आ र्मो ठ ता य द म र्क ॥
उ न मा र्म तः य र्धो र्धि ख र्ध म र ग व व र्ध ख तः आ र्म म र्य ति म र्व वः त र्म म र्म तः

य र्ध ख तः ॥ उ न म र्म तः वि मा र्धि खः अ र ग व क तं म नु थि तः वि मा क र्म क
वा ज र्वाः म र्वा नां द र्ध मं त यः ॥ उ न मा र्म तः जो र्धि खः ते अ नु यं म र्वः
र ग व तः म र्व म र्व र्ध अ र्ध म र्व दू र्वा क लि थ निः ॥ उ न मा र्म तः ध र्धो र्धि ख
विं नां म निः ध र्ध अ न दान् न म र्व म र्वा नांः म र्वा सा य वि य न य नः ॥ उ न मा
र्म तः र्धो र्धि खः क र्वा य क म र्धु द नः व नु मा व व ल र्ध र्मः म र्वा नां वा वि
या य नः ॥ उ न मा र्म तः र्धो र्धि खः आ न य तं र्धः म र्ध न ते अ नु यंः अ र्ध म र्व
ध र्म वा र्ध य य नः ॥ म र्वा नां मा वा त थ गी ता न ता द र्वा व नु र्ध यः

